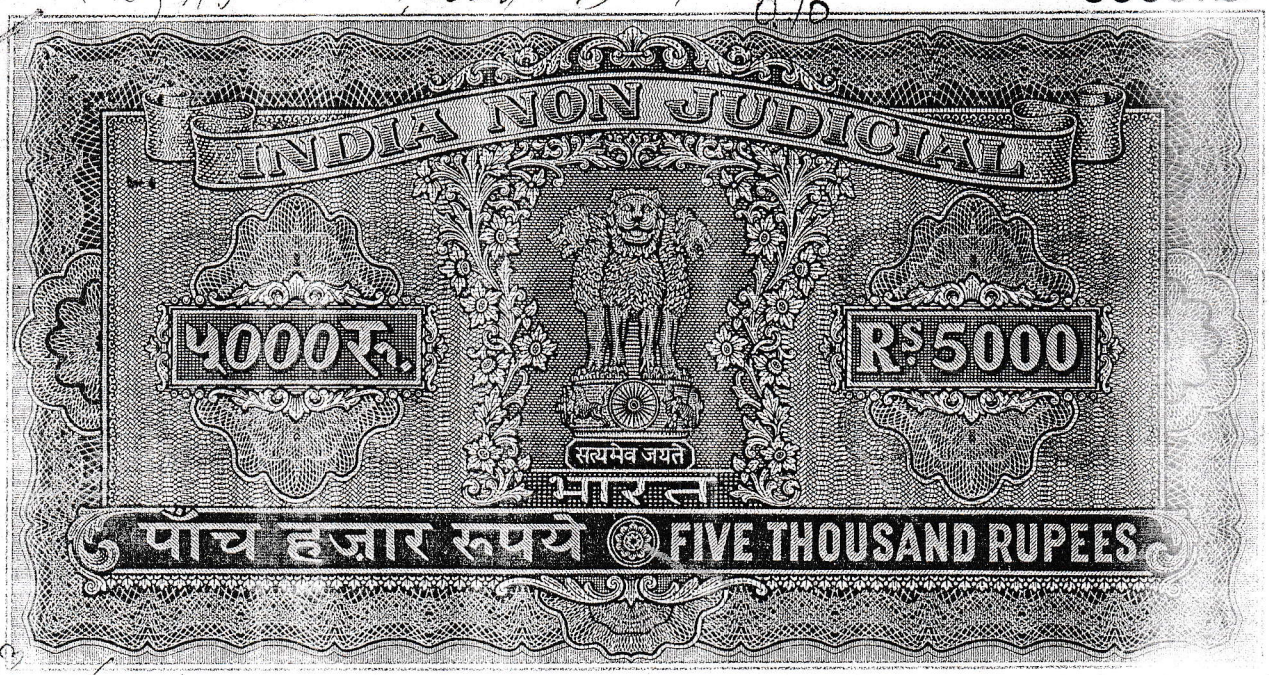

5000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

ह० विविध

१- नाम मोकिर :- डा० शैलेन्द्र प्रसाद सिन्हा वल्द स्वर्गीय श्याम किशोर प्रसाद सिंह कौम कुर्मी पेसा नौकरी साकिन मौजा जशपुर रोड गुमला थाना वो जिला गुमला शपथ पत्र नं०

२- नाम मोकिर अलेहा :- श्रीमति प्रतिमा कुमारी सिन्हा जौजे डा० शैलेन्द्र प्रसाद सिन्हा कायम कौम कुर्मी पेशा गृहिणी साकिन मौजा जशपुर रोड गुमला थाना वो जिला गुमला भारतीय नागरीक शपथ पत्र नं०

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

३- किस्म वसिका :- पट्टा वक्शीशनामा हमेशे के लिये जिसके सालाने मालगुजारी १० दस नया पैसा अलावे शेष जो सम्वत २०५८ साल से झारखण्ड सरकार को वाजेवुल अदाय होगा।

४- तायदाद रूपैया :- सैय वक्शीशनामा का मालियक मोवालिक १,३०,०००) एक लाख तीस हजार रू पैया जिसका आधा ६५०००) पैसठ हजार रूपैया होता है।

५- जायदाद :- मवाजी ०-०३ डी० (तीन डिसमील) जमीन टांड़ हकीयत कास्त रैयती वो दखली खरीदगी वसिका नं० १६५८ दिनांक ३-९-६३ वो वसिका नं० १६६३ दिनांक ६-९-६३ से हक हासिल अन्दर खाता नं० १४६ प्लाट नं० ८२६ वाके मौजा गुमला वार्ड नं० १ थाना गुमला थाना नं० ५६ जिला गुमला मुतअल्के कलक्टरी वो डिष्ट्रीक रजिष्ट्रार मोकाम गुमला वो सब रजिष्ट्रार मोकाम गुमला जमीन्दारी झारखण्ड सरकार द्वारा अंचल अधिकारी गुमला के वाके है।

500Rs.

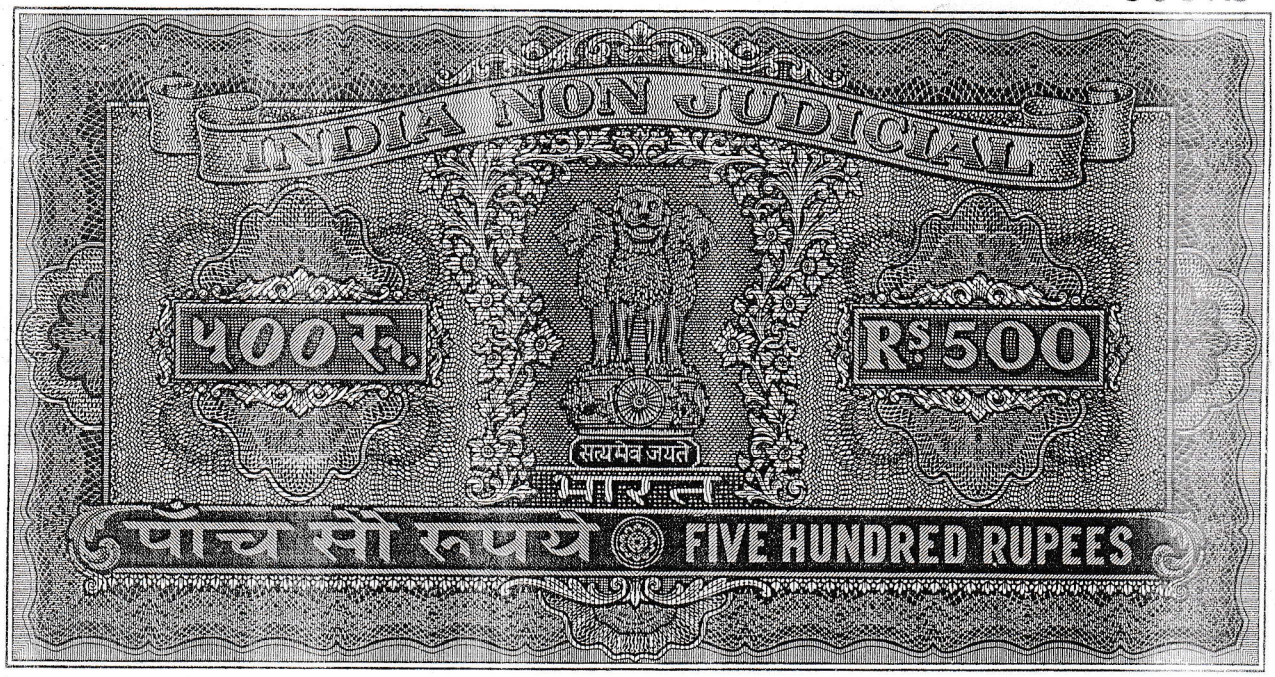

तफसील जमीन सैय वक्शीशनामा होती है :-

खाता नं०	प्लाट नं०	रकवा
१४६ (एक सौ छियालिस)	८५६(आठ सौ छप्पन)	०-०३ डी०

जिसकी चौहदी :- उत्तर कच्चा रास्ता १५ फीट सो प्लाट पे। दक्षिण डा० अखौरी दुर्गानन्दन प्रसाद का जमीन पूरब डा० अखौरी दुर्गानन्दन प्रसाद की जमीन , पश्चिम बैनपुर रोड ।

कुल रकवा तीन हिसमोल अंके ०-०३ डी०

आगे उपरोक्त वर्णित खाना नम्बर पांच की जमीन मनमोकिर की खरीदगी जमीन है जिसपर शान्ति पूर्वक दखलकार चले आ रहे है मनमोकिर का मोकिर अलैहा अपनी पत्नि है जो मनमोकिर का सेवा टहल करती चली आ रही है। मोकिर अलैहा के सेवा टहल से मनमोकिर खुश होकर उपरोक्त वर्णित खाना नम्बर पांच की जमीन को वक्शीश लिखने का विचार किया मोकिर अलैहा भी वक्शीश लेना कबुल वो मंजूर की इसलिये मनमोकिर आज के रोज उपरोक्त वर्णित

100 Rs.

-४-

खाना नम्बर पाँच की जमीन मोकिर अलैहा को वक्शीशनामा लिख दिया और जमीन पर दखलकार कर दिया। अब सैय वक्शीशनामा पर जिस प्रकार का भू-स्वामित्व मनमोकिर का है या उनके उत्तराधिकारी का होता वह सब आज के रोज से मोकिर अलैहा मय उनके उत्तराधिकारी का हुआ वो होगा। अब सैय विक्शीशनामा जमीन पर मोकिर अलैहा खुद दखलकार होकर वो रहकर मुनासिब इन्तजाम अपना कच्चा पक्का मकान कुंआ वाड़ी बनावे अपने रहे किराये पर लगावे वो जो इच्छा हो करे वो जिस प्रकार का आमदनी नगदी जिनसी हो पुत्र पुत्रादिक एकेवा दिगरे भोग तसरूफ किया करे वो झारखण्ड सरकार के सिरिस्ते अंचल कार्यालय में अपने नाम से दाखिल खारिज कराकर खास रसीद लिया करे

ता० 30. 5. 2007

100Rs.

इसमें मनमोकिर वो उत्तराधिकारी मनमोकिर को
कोई आपत्ति नही होगी। इसलिये खुशी राजी
व हाली मिजाज से बक्शीशनामा पटा लिख दिया
कि समय पर काम आवे। आज तारीख २८-५-२००२ ई०

सही/- डा. [illegible]
दि. 30.5.2007

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

-६-

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति हुबहू और सच्ची प्रतिलिपि है जो ६ पृष्ठो में ४६२ शब्द टंकित किया गया है।

सही प्रतिमा कुमारी सिन्हा

बकशीस लेना। स्वीकार किया ता: 30.5.2001

कातिब वो टंकक अर्जुन पाण्डेय मोकाम गुमला ला० नं० २४।६७ मनमोकिरके कहने पर बकशीशनामा टंकित किया वो फरीकैन को पढ़कर सुना वो समझा दिया तारीख २८-५-२००१ ई०।

अर्जुन पाण्डेय ता० २८-५-२००१

ता० 30.5.2001